E-CONTENT

Subject : Economics
Class : B.A Part I (Paper II)
Topic : Functions of Commercial Banks
(वाणिज्यिक बैंक के कार्य)

By :
EKATA KUMARI
(Guest Faculty)
Assistant Professor
Koktas Mahila College
Email I'd :
bhardwajekata@gmail.com

Introduction: बैंक शब्द की उत्पत्ति इटालियन भाषा के शब्द 'Banco' से हुई मानी जाती है जो फ्रेंच भाषा के शब्द 'Banque' मे बदलता हुआ अंग्रेजी भाषा मे 'Bank' हो गया है। एक अन्य धारणा के अनुसार 'Bank' शब्द की उत्पत्ति जर्मन भाषा के 'Back' शब्द से हुई है। इटालियन भाषा में 'Banco' शब्द का अर्थ बेंच से है। इटली मे यहूदी समस्त मुद्रा परिवर्तन का कार्य बैंचों पर बैठकर किया करते थे, उन्हें Banchi या Banchieri कहा जाता था। सबसे पहले सन् 1157 मे इटली के शहर वीनस मे 'बैंक ऑफ वीनस' की स्थापना हुई थी।

आधुनिक बैंकिंग का शुभारम्भ सत्रहवीं शताब्दी के प्रारंभ मे हुआ माना जाता है जबकि सन् 1607 मे Bank of Amsterdam (हॉलैण्ड), सन् 1619 मे Bank of Hamburg (जर्मनी) और सन् 1694 मे Bank of England (इंग्लैण्ड) स्थापित हुए और बैंकों का विस्तार होता गया।

Defin: सामान्य बैंकिंग कार्य करनेवाले बैंक को व्यापारिक बैंक कहते हैं। इन बैंकों का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक संस्थाओं की अल्पकालीन वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। व्यापारिक बैंक धन जमा करने, ऋण देने, चैकों का संग्रहण एवं भुगतान करने एवं एजेन्सी सम्बन्धी अनेक काम करते हैं।

(a) According to Banking Regulation Act: "बैंकिंग से तात्पर्य ऋण देने अथवा विनियोजन के लिए जनता से धन जमा करना है जो माँग करने पर लौटाया जा सकता है तथा चैक, ड्राफ्ट अथवा अन्य प्रकार के आदेशों द्वारा निकाला जा सकता है।"

b) According to Harace White :

"बैंक मुद्रा का एक निर्माता और विनिमय को सुविधाजनक बनाने वाला यंत्र है।"

c) According to Prof Crowther :

"बैंकर अपने तथा अन्य लोगों के ऋणों का व्यवसायी होता है अर्थात् बैंकर का व्यवसाय अन्य लोगों से ऋण लेना और बदले में अपने ऋण देना और इस प्रकार मुद्रा का सृजन करना है।"

संक्षेप में, व्यापारिक बैंक वे बैंक हैं जो लाभ अर्जन के उद्देश्य से मुद्रा तथा साख का व्यापार करते हैं।

Commercial Bank :- इन बैंकों की स्थापना व संचालन संयुक्त पूँजी कम्पनियों के नियमों के आधार पर होता है, इसलिए इन्हें संयुक्त पूँजी बैंक भी कहते हैं। ये बैंक व्यापारियों को ऋण देते हैं तथा इनका विशिष्ट गुण यह है कि ये ऋण अल्प समय के लिए देते हैं, जैसे तीन मास या छः मास या एक वर्ष के लिए। ये ऋण अल्पकाल के लिए इसलिए देते हैं क्योंकि इनमें जमाकर्ताओं द्वारा अल्प समय के लिए ही रुपया जमा के रूप में रखा जाता है। ऐसे में यदि बैंक दीर्घकालीन ऋण देता है तो बैंक फेल हो जाएगा। बैंक का पहला कर्तव्य होता है कि जमाकर्ताओं को उनकी माँग करने पर रुपया दिया जाए। हमारे देश में बहुत से बैंक जैसे कि स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया, इलाहाबाद बैंक आदि वाणिज्यिक बैंक हैं।

Functions of Commercial Bank :- वाणिज्य

[illegible] निम्नलिखित हैं —

वाणिज्यिक बैंको के कार्य

...नों कार्य | II. गौण कार्य | III. सामाजिक कार्य

बैंको का आर्थिक विकास में योगदान

(I) Main or Primary Functions :—

व्यापारिक बैंकों के प्राथमिक कार्य

(A) जमाएँ स्वीकार करना | (B) ऋण देना | (C) साख निर्माण

1. चालू जमा
2. बचत जमा
3. सावधि जमा
4. आवृत्ति जमा

1. नकद साख
2. अधिविकर्ष
3. ऋण एवं अग्रिम
4. विनिमय पत्रों की कटौती
5. सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश।

(A) Accepting Deposits:— व्यापारिक बैंकों का एक महत्वपूर्ण कार्य जनता से रकम जमा करना होता है। व्यापारिक बैंक द्वारा स्वीकार की जानेवाली प्रमुख जमाएँ निम्नलिखित हैं —

(1) Current Deposits — चालू खाते की जमाएँ चालू जमाएँ कहलाती है। चालू खाता वह खाता है जिसमें जमा की गई रकमें जब चाहे निकाली जा सकती है। ऐसे खातों पर ब्याज की दर शून्य होती है। व्यापारियों के लिए ये खाता बहुत उपयोगी होते हैं क्योंकि उन्हें दिन में कई बार भुगतान के लिए लेन-देन की आवश्यकता पड़ती है।

(2.) Saving Deposits — इस खाते की व्यवस्था विशेष रूप से उन लोगों के लिए की जाती है जिनकी बचत थोड़ी होती है और जिन्हें बैंक से अपनी जमा रकम बहुत बार निकालने की आवश्यकता नहीं होती। इस खाते में ब्याज की दर कम होती है। यह खाता प्रायः वेतनभोगी, गृहस्थ तथा अन्य सामान्य आय वाले व्यक्तियों द्वारा खोला जाता है।

(3.) Fixed Deposits — सावधि जमा खाते में प्रायः एक निश्चित अवधि के लिए रकम जमा करवाई जा सकती है। रकम जमा करते समय एक जमा रसीद मिलती है जिसपर रकम जमा होने की तारीख, रकम निकालने की तिथि तथा रकम और ब्याज की दर लिखी जाती है।

(4.) Recurring Deposits — आवृत्ति जमाएं एक विशेष प्रकार की जमाएं हैं। इनमें जमाकर्ता एक निश्चित राशि प्रति मास जमा करता रहता है। कुछ विशेष स्थितियों को छोड़कर इस खाते से मुद्रा एक निश्चित समय से पहले नहीं निकलवाई जा सकती। इस खाते में जमा राशि पर ब्याज की दर ऊँची होती है। निश्चित अवधि समाप्त होने पर ब्याज सहित जमा मुद्रा जमाकर्ता को वापस प्राप्त हो जाती है।

(B.) Granting Loans — बैंक का दूसरा कार्य लोगों को ऋण देना है। ये बैंक प्रायः उत्पादक कार्यों के लिए ऋण देते हैं तथा उचित जमानत की माँग करते हैं। ऋण की रकम प्रायः जमानत के मूल्य से कम होती है। बैंक निम्न प्रकार से ऋण देते हैं —

(1) Cash Credit — नकद साख प्रणाली के अंतर्गत बैंक बॉण्ड अथवा दूसरी प्रकार की प्रतिभूतियों के आधार पर ऋण देते हैं। व्यापारी

लोग बैंक के पास प्रतिभूतियाँ जमा कर देते हैं और आवश्यक रकम लेते रहते हैं। ऋणी खाते में निकाली गयी रकम पर ही ब्याज देना पड़ता है।

(2.) Overdraft — अधिविकर्ष प्रणाली के अन्तर्गत चालू खाते के जमाकर्ताओं को अपनी जमाराशि के अलावा भी एक निश्चित सीमा तक रकम निकालने की अनुमति दे दी जाती है। बैंक अधिविकर्ष की राशि निश्चित कर देता है और ऋणी इस राशि के भीतर वास्तविक रूप में निकाली गई रकम पर ब्याज देता है। अधिविकर्ष देते समय बैंक ग्राहक की साख का ध्यान रखता है।

(3.) Loans & Advances — ऋण तथा अग्रिम एक निश्चित धनराशि के रूप में दिए जाते हैं। बैंक ऋण दाता के खाते में ऋण की रकम इकट्ठी जमा कर देता है। ऋणदाता उसे कभी भी निकलवा सकता है। बैंक सदैव स्वीकृत ऋण राशि पर ब्याज लेता है।

(4.) Discounting of Bill of Exchange — व्यापारिक बैंक आवश्यकता पड़ने पर अपने ग्राहकों के विनिमय पत्रों की कटौती करता है अर्थात बिलों में कुछ कटौती करके बाकी राशि का भुगतान लेनदारक को कर देता है। सामान्यतः कटौती दर ब्याज की दर के समान होती है। विनिमय पत्रों की समय अवधि आनेपर बैंक धनराशि वसूल कर लेता है।

(5.) Investment in Government Securities — बैंक सरकार को भी ऋण देते हैं। जब बैंक सरकारी प्रतिभूति खरीदकर उसमें निवेश करता है, तब यह माना सरकार को ऋण देना कहलाता है। बैंक सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के प्रति इच्छुक होते हैं क्योंकि यह सबसे सुरक्षित ऋण माना जाता

(6.) Credit Creation :- वर्तमान समय में साख निर्माण व्यापारिक बैंकों का प्रमुख कार्य बन गया है। बैंक जनता से प्राथमिक जमाएँ प्राप्त करके करते हैं और साख गुणक के आधार पर प्राप्त जमाओं से कई गुना अधिक ऋण देते हैं। सभी ऋण गौण जमाओं के रूप में होते हैं।

(II) Secondary Functions :-

व्यापारिक बैंकों के गौण कार्य

A. एजेण्ट के रूप में कार्य

1. विभिन्न मदों का एकत्रीकरण एवं भुगतान
2. प्रतिभूतियों का खरीद एवं बिक्री
3. धन का प्रेषण
4. ट्रस्टी एवं प्रबन्धक
5. विदेशी मुद्रा का क्रय विक्रय
6. सन्दर्भ पत्र.

B. सामान्य उपयोगिता के कार्य

1. लॉकर की सुविधा
2. यात्री चैक एवं साख प्रमाण-पत्र
3. ATM एवं क्रेडिट कार्ड सुविधा
4. व्यापारिक सूचनाएँ एवं आँकड़े एकत्री...
5. वस्तुओं के वाहन में सहायता.

C. सामाजिक कार्य

(A) Functions as an Agent :-

(i) Collection and Payments of Various Items

व्यापारिक बैंक अपने ग्राहकों की तरफ से चैक, किराया, ब्याज, लाभ आदि एकत्रित करते हैं और उनकी ओर से करों, बीमा आदि की किस्तों का भुगतान करते हैं।

(ii) Purchase and Sale of Securities — व्यापारिक बैंक अपने ग्राहकों के लिए प्रतिभूतियों, शेयर,

ग्राहक आदि खरीदते हैं। इन उपकरणों की अधि... कीमतों का लाभ भी वे अपने ग्राहकों को प्रदान करते हैं। ग्राहकों की आवश्यकतानुसार इन उपकरणों को बेचते भी हैं।

iii) **Remittance of Money** — बैंक द्वारा अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर रकम भेजने की व्यवस्था की जाती है। नकद धन जमा कराकर बैंक ड्राफ्ट के रूप में दूसरी जगह भेजना बैंक की सबसे अधिक महत्वपूर्ण सेवा है।

iv) **Trustee & Executor** — बैंक अपने ग्राहकों के निर्देशानुसार उनकी सम्पत्ति के ट्रस्टी एवं प्रबन्धक के रूप में भी कार्य करता है।

v) **Purchase and Sale of Foreign Exchange** —

केन्द्रीय बैंक के निर्देशानुसार ये बैंक विदेशी मुद्राओं को खरीदते बेचते हैं। इस प्रकार यह केन्द्रीय बैंक के एजेंट के रूप में कार्य करते हैं।

vi) **Letter of Reference** — अपने ग्राहकों के हित में बैंक उनकी आर्थिक स्थिति की जानकारी या सूचना देश विदेश के व्यापारियों को प्रदान करते हैं और विदेशी व्यापारियों की आर्थिक स्थिति की जानकारी अपने ग्राहकों को प्रदान करते हैं।

b) **General Utility Functions** :—

i) **Locker Facilities** — बैंकर्स अपने ग्राहकों को लॉकर्स की सुविधा भी प्रदान करता है जिसमें लोग अपने सोने-चाँदी के जेवर तथा अन्य आवश्यक कागज सुरक्षित रख सकते हैं। इसका वार्षिक किराया बहुत कम होता है।

ii) **Traveller's Cheque & Letter of Credit**

बैंक अपने ग्राहकों को

नकद राशि साथ न ले जाकर सुविधा और सुरक्षा की दृष्टि से यात्री चैक तथा साख प्रमाण पत्रों की सुविधा प्रदान करता है। इसके फलस्वरूप यात्री निश्चित होकर यात्रा कर सकते हैं।

iii) ATM and Credit Card Facilities – आधुनिक समय में बैंक अपने खाता धारकों को 24 घण्टे धन निकालने की सुविधा के रूप में ATM सेवा दे रहे हैं। साथ ही बैंक अपने ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड की भी सुविधा दे रहे हैं जिससे ग्राहक विश्व में एक निश्चित राशि तक खरीददारी करके कार्ड द्वारा भुगतान कर सकता है और खरीदारी के लिए किसी नकदी की आवश्यकता नहीं पड़ती।

iv) Collecting Business Information and Statistics – बैंक आर्थिक स्थिति से परिचित होने के कारण व्यापार सम्बन्धी सूचनाएँ एवं आँकड़े एकत्रित करके अपने ग्राहकों को विभिन्न मामलों पर सलाह देते हैं।

v) Helping in Transportation of Goods –
बड़े बड़े व्यापारी अपने ग्राहकों को माल भेजकर उसकी बिल्टी बैंक में भेज देते हैं। खरीददार बैंक में रुपये जमा करवाकर उस बिल्टी को छुड़ा सकते हैं लेते हैं और रेलवे स्टेशन से माल ले लेते हैं। इस प्रकार, बैंक वस्तुओं को उत्पादन केन्द्रों से उपभोग केन्द्रों तक पहुँचाने में सहायता देते हैं।

c) Social Functions or Contribution of Banks in Economic Development – वर्तमान समय में बैंक अपने विविध परम्परागत कार्यों के अलावा अनेक सामाजिक कार्य भी सम्पादित करते हैं। अर्थव्यवस्था में व्यापार, उद्योग आदि सभी के लिए बैंक आधुनिक समाज में ~~[illegible]~~ जिससे आर्थिक विकास को गति मिलती है।

बैंक के ऐसे कार्य है —

i) <u>Increase in capital Production</u> — बैंक समाज से उनका अतिरिक्त धन लेकर इसी पूंजी को बैंक उद्योग धंधों और व्यापार आदि कार्यों के लिए उधार देते हैं जिससे पूंजी की उत्पादकता, उत्पादन व राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है

ii) <u>Investment Promotion</u> — बैंक समाज से उनका अतिरिक्त वर्तमान समय में बड़े पैमाने के उद्योगों में बड़ी मात्रा में स्थायी एवं कार्यशील पूंजी की आवश्यकता होती है जिसकी पूर्ति बैंकिंग व्यवस्था से ही होती है जिससे देश में विनियोग को बढ़ावा मिलता है।

iii) <u>Encouragement to Capital Formation</u> — बैंक लोगों के निष्क्रिय कोषों एवं बचतों को संग्रहित करते हैं और उनको उत्पादक कार्यों के लिए उपलब्ध कराते हैं। फलतः देश में पूंजी निर्माण को प्रोत्साहन मिलता है जिससे आर्थिक विकास में वृद्धि होती है।

iv) <u>Increase in Employment</u> — बैंकिंग विकास से न केवल बैंकिंग क्षेत्रों में लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं बल्कि बैंकों द्वारा पूंजी विनियोग, ऋण प्रबन्ध आदि से व्यापार, उद्योग एवं सभी क्षेत्रों में विस्तार से रोजगार में वृद्धि होती है।

v) <u>Facility in Payments</u> — बैंक ने चैकों का प्रयोग बढ़ाकर भुगतानों को सरल व सस्ता बना दिया है। जिससे नकद मुद्रा को रखने तथा खोने के भय से मुक्ति मिल गई है।

vi) <u>Elasticity in Monetary System</u> — बैंक देश में व्यापार आदि की माँग के अनुसार साख का प्रसार या संकुचन करते रहते हैं। इससे मुद्रा प्रणाली लोचपूर्ण बनी रहती है।

vii) <u>Encouragement to ~~the~~ Foreign Trade</u> —

मुद्रा की व्यवस्था करके तथा आयात निर्यात को अनेक प्रकार की सहायता देकर बैंक विदेशी व्यापार को प्रोत्साहन देता है।

(viii) Development of Entrepreneurs — वर्तमान समय में व्यापारिक बैंक विकासशील देशों में उद्यमशीलता के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बैंक अपने प्रदत्त ऋणों द्वारा उद्यमशीलता के विकास में सहयोग दे सकते हैं।

Conclusion: उपर्युक्त विवेचनाओं के आधार पर निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि व्यापारिक बैंक विभिन्न प्रकार के कार्यों द्वारा देश के आर्थिक विकास में योगदान देते हैं। बैंक अपने ग्राहकों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इस प्रकार व्यापारिक बैंक का कार्यक्षेत्र बहुत ही विस्तृत है जिनके माध्यम से वे हमारी अनेक समस्याओं का समाधान करके हमारी आर्थिक स्थिति को सुदृढ बनाते हैं।